धुंधारी (टोंक)

गीत न.- 1

कुलुसियो 3:15-16

खोल द्यो थे मन का द्वार।
मसी को बचन मन मं बस बा द्यो,

1) मसी को बचन देखो अपरम्पार,
अर उंकी दीया भी अपरम्पार ।
मसी को बचन- - - - २

2) मसी को बचन सबळा न सकावो,
अर गावो उंकी महमा दन-रयात।
मसी को बचन- - - - - - २

3) मसी को बचन छः सरग को गैल्लो,
सिदा मन सु सबळा न चलावो।
मसी को बचन- - - - - - - - -२

गीत न-2

२ पतरस 2:7

छुटकारा को गीत

थे ईशु खने आवो, थाका कट जावे सबळा पाप,
थे ईशु खने आवो- - - - - २
1)थाका कट जावे सबळा रोग,
थे ईशु खने आवो।
2)ईशु धोवे थाका सबळा पाप,
थे ईशु खने आवो।
3)थाको हे जावलो बेडोपार,
थे ईशु खने आवो।

गीत न० ३

मन म लागी धुन, ईशु मसी का नाऊ की।
में तो काई जाणु कोने, जाणु ईशु नाऊ र।(२
१)ईशु को बचन देखो, तपता सुरज ज्यान को।
छट जावे अन्धेरो, देखो ह जावे ऊजास र।
में तो काई जाणु- - - २
२)ईशु को बचन देखो, दो धारी तलवार र।
पाप्या न भी छोले, यो तो धर्मया न भी छोले र।

मैं तो काई जाणु -----२

३)ईशु को बचन देखो,मारा मन कि श्यान र
ज्यो भी इने माने उको हे जावे उध्दार र
मैं तो काई जाणु -----२

गीत न०4 (ढुँढारी)

परमेश्वर ही सृष्टि कर्ता है

आजरे आगंण मारे ईशु आया।२ परमेशर खेल रचायारे,
ईशु आया रे मारे ,परभु आया रे॥ टेर॥
1)आदी मं तु अम्बर रच्या, रची सृष्टि सारी।
अंधियारा को अलग किया और करया उजाला न्यारा र ।
सारा जग मं ज्योति आई रे ।
2)जल को करा विभाजित देखो दो भागो में बाटं दिया,
निचे का तो कहा समुनदर, उपर का आकाश कहा
ये तो पृथ्वी अम्बर न्यारा रे।
3)दिन अर रयात अलग जो किना, चांद सुरज को रच दिना।
दिन को देता सुरज गरमी, रात चांदनी छाई
संग मं तारा ओर बाणाया रे।
3)हरी-हरी देखो घास लगा के, छोटे-मोटे पेड़ लगाया।
पान फुल हरीयाली छाई, जाणे वाटीका आई
उमे फळ घणेरा आया रे।
4)जल-जन्तु व थलचर देखो नभ के पक्षी बणाया।
बढ़ते बढ़ते खुब, बढ़े हुए असंख्य सारे ।
गिनति वाकी न्यारी रे।
5)माटी का थने पुथला बणाया, स्वास नथनो का फुख दिया।
आदम तुने नाम रखा , ओर हवा उसी से बणाई।
येतो नर ओर नारी करके बणाया रे।

गीत न 5

परमेश्वर ही ज्योती है

माने थाकी प्यारी सी सुरत ईशु दखा दी ज्यो जी।
माकी आख्या को पड़दो थे हटा दि ज्यो जी।
1)माकी सुरता सु सुरत मला ली ज्यो जी,
दर्द छाये कतरो भी हेवो आराम देवो जी।
2)प्यारा ईशु जी माने थाको प्यार देवो जी,
कस्या करे छः प्यार माने बता देवो जी।
3)खोला छा दरवाजो थे तो दिल मं आवो जी,
आज मासु रोशा मत हिज्यो बेगा आवो जी।
4)आज माने जीवण को पाणी पिला दिज्यो जी,
ज्योति आजावे तो में मुक्तु पावा जी।

गीत न0 6

जन्म का गीत

मारे ईशु आंगण आया रे मारा होरिया मंघळाचार
होरिया मंगळाचार, मारे होगी खुशी अपार॥
1)ईशु सरग छोड़र आया बाळक का रुप बणाया।
ज्याने मेल चोबारा नेई भाया वे चरणी में जन्माया।
2)मरियम का राज दुलारा, सारे जंग का तारण हारा।
मारा घर मं उजाळो हेग्यो रे, होयो अंधेरो दुर।
3)थाकी महमा छः अति भारी जिने गावे नर अर नारी ।
कोड़या को कोढ़ मिटाया, लाजर न दिया जीलाय।
4)राजस्थन का टोक क माई यो गाँव निमोळा भाई।
बाबु लाल दास छः थाको इकी नय्या न कर दयो पार।

गीत= 7

यूहन्ना 21

थारे भरोसे चाले रे ईशु जी माकी नय्या
ईशु जी माकी नय्या, परभु जी माकी नय्या।
1)तिबरियास झिल क माया, चैला न दर्शण दिया।
पतरस सु खेबा लाग्या, थे कढ़े जा रया भाया।
2)दिन रयात नाव मं चाल्या मैं काई न पाया।
ईशु जी दर्शण दिया थे ज्याळ ढ़ाल द्यो भाया।
3)ईशु आर बुजबा लाग्यो खाबा को काई सतुनु
पतरस तो बोल्यो ईशु जी कोने मछली की छाया।
4)पतरस का मन मं आई ये ईशु जी छः भाया।
बांद तोलिया कमर मं कुया झील क माया।
5)चैला जद ईशु न देख्या तो घणा इरप ग्या भाया।
मछली पकड़या पुरी ड़ेडसो जाळ फटया नही रे भाया।

गीत न0 8

उद्धार का गीत

बीरा बाईबल थे पढ़ल्यो रे
रोगदोषो सब मिट जावे थाका पाप होवे सब दुर।
1)ज्यो ज्यो इने पढ़बा लाग्या छोको जीवन पाया।
दुनिया दारी सब न छोडो सितमात मे ले ल्यो रे।
2)आदी में तो आदम आया, नुवा नियम मं ईशु जी।
पहली तो थे पड़या किच मं , अब ज्योती मं भाया।
3)थाका पापा खातर देखो ईशु लोई बुवायो रे।
कोड़ा खाया भाला छेदयो, सुळी प ज्यान गुवायो।
4)सोना रुपी कबर बणी छी जिमं ईशु सोयारे।
साथ-साथण्या आई लारा वेतो घाणा-घणाई रोया रे।
5)फो फटताई होयो उजाळो ईशु जिण्दा हो ग्यारे ।

मरीयम देखो आई कबर प खाली कबर देख घबराई रे।

गीत न0 9

युहन्ना 2:1-11(काना में विवाह भौज)

काना मं मण्ढ़रयो ब्यऊ ईशु आवो आंगण मं
थाना नुतो देवा आज बेगा आवो जी...
1)मरीयम आई छी चैला भी आया छा।
घट ग्यो रे दाखरस आज आवो मारे आंगण मं।
2)मरीयम जद यु खेबा लागी दाखरस कोने वाके पास।
ईशु जी तो बोलण लाग्या नारी मन थासु काई काम।
3)हालताणी मारो टेम नही आयो ईशु जी खह्यो माता सु बात
मरीयम तो सेवका सु खेई ज्यो भी यो खेवे वोई करो रे भाई।
4)छः-छः मटका धरया वहा पर दो-दो, तीन-तीन मन समाय।
ईशु जी वासु बोलण लाग्यो, मटका मं पाणी भर द्यो आज।
5)पाणी नखाळर प्रधान खने लेग्या पाणी चाखण लाग्या।
बणग्यो रे दाखरस आज मारे आंगण मं।
6)गलील का काना नगर मं पहलो काम करयो छो।
महमा प्रगट कर दी आज चैला बस्वास करया ।

गीत न0 10

लुका 10:25-34(ईशु नाऊ ही बड़ो)

मिश्री सु मीठो लागे रे ईशु थारो नाऊ।
ईशु थारो नाऊ र परभु जी थारो नाऊ।
1)थे करुणा करबा वाळा थे दया दखाबा वाळा।
थारी महमा छः अति भारी, जिने गावे लोग लुगाई।
2)थे चेला न बोलता आया प्रेम करो र भाया २।
फेली तो थे करो परमेशर सु। फेर पडोसी स भाया।
3)एक यरुशलेम सु आयो जिने ड़ाकु घणौ सतायो।
पिसा कोढी छिन लिया मार घणी वो खायो रे।
4)एक सामरी आयो उंको तुरंत इलाज करायो।
तेल दाख रस मळबा लाग्यो सेवा बहुत बड़यो।
5)थे देखला संसार मं झुटा पाकण्डी दिया करबा हाळा।
दोन्या न थे छोड़ो भाया बणो दियालु भाया।

गीत न0 11

युहन्ना 4:1-26(सत मार्ग अर जीवन)

ईशु मारा आजा रे कुवाँ पर साची बात बता जारे।
बात बता जारे जी बा को गैलो बता जारे।
1)ईशु यहूदया सु आयो देखो गलील देश मं जारयो।
सामरिया का गावँ सुकार मं याकुब का कुवा रे भाया।
2)एक लुगाई सामरी देखो पाणी भरबा आई।

ईशु जी तो ऊसु खेबा लाग्या मने पाणी पादे माई।
3)अतरी सुण लुगाई बोली तु मसु पणी क्यु मांग्यो।
में तो सामरी लुगाई देख तु तो यहूदी छ: भाया।
4)ईशु जी बोल्या उंसु बरदान पिता को जाणती माई।
याभी जाणती यो कुण छ: कहरयो छ: जीबा को जळ देतो भाई।

गीत न0 12
प्रकाशित वाक्य 3:20

थारे बारण्णे खड़ो छ: ईशु राज खोलदे किवाडी न।
खोल किवाडी न , बिरा खोल किवाडी न।
1)थारा गेट न जोर सु बजावे, थारे सुणबा मं कोन आवे।
तु कया रियो र भुल खोल द किवाडी न।
2)गेट खोलताई बेगोबैगौ आवो थारा घर मं रेबो छावे।
करले न र मन की बात खोल दे किवाडी न।
3)बड़िया भोजन गर्म बणा ले, तैल मसाला खुब मला ल।
झिमेला रे थारी लार थारे आंगणे।
4)ईशु रे आया ज्योति ल्याया, पाप रोग थारा दुर हटाया।
थारो हे गावलो रे उद्धार खोल दे किवाडी न ।

जन्म से सम्बन्धित

परभु आया पाँऊणा र काई करू मन्दवार॥
ईशु आता दिखिया र होई चमेली चार॥

आँ, आज रे आँगण मारे ईशु आया पाँऊणा...॥२॥
ईशु आया पाँऊणा, मारे मन भाँऊणा॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥
परमेशर तो पिता कहे ज मरियम माता आऊणा ॥
मेल चोबारा भाया नही ज्या न चरणी माई आऊणा ॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥
देखो आया दुत सरग स लुग लोबाण ले आऊणा॥
आकर दण्ढवत करबा लाग्या चरणा माई सिस नवाँवणा॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥
हेरोदेश न तोल पड़यो तो राजो भी घबराग्यो॥
मेतो राजो बेठयो देखो ओर कस्यो राजो आग्यो॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥
छोखा-छोखा लत्ता ल्यावो छोखा करो थे आँगणा॥
बढीया बढीया भोजन बणाओ ईशु न जमावणा॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥

ईशु जीवन देव्अ भाया ईशु देव्अ ज्योती॥
पापाँ सु मुक्ती मलजाव्अ करल्यो याँसु प्रिति॥
आँ आज रे आँगण.....॥२॥